बिहार विधान सभा भवन शताब्दी समारोह का आयोजन कई मायनों में ऐतिहासिक, भव्य और यादगार रहा। यह हम सबके लिए सुखद और गौरवशाली अवसर था। माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी की सहमति तथा सहभागिता से इस कार्यक्रम का स्वरूप बहुत व्यापक हो गया था। इस समारोह का सफल आयोजन सभा सचिवालय के लिए संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण हो गया था। इस समारोह की सफलता के लिए आप सभी ने जिस लगन, निष्ठा, संवदेनशीलता क्रियाशीलता से तत्पर होकर तन्मयतापूर्वक समय से सभी कार्यों का निष्पादन किया, उसी से इस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सका । इसके लिए सभा सचिवालय के आप सभी कर्मीगण बधाई और अभिनंदन के पात्र हैं। यह समारोह लंबे समय तक बिहार विधायिका के लिए प्रेरणापुंज बना रहेगा। इस समारोह से बिहार से पूरे देश में एक सकारात्मक और अभिनव संदेश गया है जिसके हम सब इस गवाह नहीं भागीदार बने ।" यह बातें बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा ने इस समारोह के सफल आयोजन के पश्चात सेंट्रल हॉल में सभा सचिवालय के कर्मचारियों तथा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा। इस दौरान उन्होंने इस समारोह के आयोजन के दौरान की गयी व्यवस्था की गहन समीक्षा भी की। भविष्य में इस तरह के होने वाले आयोजनों में और अधिक बेहतर सुधार के लिए उन्होंने सभी कर्मचारियों तथा पदाधिकारियों से उनके लिखित सुझाव भी आमंत्रित किया। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी संस्था की गरिमा बढ़ाने में उस संस्था में कार्यरत कर्मियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में बिहार में लोकतंत्र के सबसे बड़े इस मंदिर के गौरव को बढ़ाना आपकी भी नैतिक जिम्मेवारी है। उन्होंने सेंट्रल हॉल में उपस्थित सभा सचिवालय के सभी कर्मीगण को अनुशासन व्यवहार की मर्यादा तथा समय पर सभी कार्यों के निष्पादन करने संबंधी अनुदेश भी दिया। उन्होंने सभी कर्मियों का माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर कमलों से शुरू किये गये उनके पाँच सामाजिक अभिशाप मुक्त, पॉच सामाजिक वरदानयुक्त और पाँच सामाजिक सम्मानपूर्ण संकल्प की अवधारणा से अवगत कराते हुए उन्हें भी इस अभियान में शामिल होने का न्यौता दिया। इस दौरान बिहार विधान सभा के सचिव श्री शैलेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव श्री पवन कुमार पांडेय भी उपस्थित थे ।